>

Title: Need to give recognition to Ajit Kumar Mehta Sanskrit College, Samastipur, Bihar.

श्री आलोक कुमार मेहता (समस्तीपुर) : महोदय, हमारे संसदीय क्षेत्र समस्तीपुर के कल्याणपुर प्रखण्ड अंतर्गत उमाशंकर-लदौरा में अजीत कुमार मेहता संस्कृत शिक्षण संस्थान है जो आदर्श संस्कृत महाविद्यालय की सभी आवश्यक निर्धारित मापदण्डों को पूरा करता है इसके बावजूद संस्थान को अभी तक आदर्श और स्थायी मान्यता नहीं दी गई है। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश से संस्थान के रिकॉगनिशन के लिए दो बार इंस्पेक्शन कराया गया, लेकिन कमेटी ने संस्थान को अस्वीकृत कर दिया। महोदय, यह संस्थान पिछड़े इलाके में अवस्थित है एवं संस्थान का नाम एक पिछड़े वर्ग के व्यक्ति के नाम से है जहां अधिकांश शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं पिछड़े वर्ग से आते हैं। राÂष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कतिपय पदाधिकारियों द्वारा इसे उपेक्षा की दÂिट से देखा जाता है एवं संस्थान को समुचित आर्थिक अनुदान नहीं दिया जाता है और न ही स्थायी मान्यता दी जा रही है।

मैं आपके माध्यम से माननीय मानव संसाधान विकास मंत्री जी से मांग करना चाहूंगा कि संस्थान को अविलम्ब स्थायी मान्यता दिलवायी जाये।